STD. 10 HINDI

EPISODE: 9 DATE : 16.8.2021

पाठ का नाम ; टूटा पहिया

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें |

1) टूटा पहिया कविता के प्रसंग को कहाँ से लिया है ?

उत्तर : महाभारत से |

2) टूटा पहिया नामक कविता में महाभारत कथा से जुड़े कौन कौन से शब्द आये हैं ?

उत्तर : अभिमन्यु, टूटा पहिया, चक्रव्यूह, अक्षौहिणी सेना, महारथी और ब्रह्मास्त्र |

3) ' इतिहासों की सामूहिक गति ' - इसका मतलब क्या है ?

उत्तर : इतिहास की गति सामूहिक है।

4) किसकी गति असत्य की ओर जाने की संभावना है ?

उत्तर : इतिहास की सामूहिक गति ।

5) इतिहास की सामूहिक गति कभी-कभी झूठी पड़ने लगती है। इसका मतलब क्या है?

उत्तर : कभी कभी कोई पक्ष दूसरे पक्ष पर अन्याय करता है अधर्म करता है।

6) सच्चाई को किसका आश्रय लेना पड़ता है ?

उत्तर : टूटे पहिए का |

7) इतिहासों की सामूहिक गति

सहस झूठी पड जाने पर

क्या जाने

सच्चाई टूटे हुए पहिए का आश्रय ले

- इन पंक्तियों से कवि क्या बताना चाहते हैं ?

उत्तर : इतिहास की सामूहिक गति जब सत्य और धर्म को छोड़कर असत्य और अधर्म के मार्ग पर चलने लगती है, तब सत्य और धर्म की स्थापना के लिए सच्चाई को टूटे पहिए का आश्रय लेना पड़ेगा। चक्रव्यूह में फँसे अभिमन्यु के लिए टूटा पहिया जिस प्रकार सहारा बना, उसी प्रकार समाज में मानव मूल्य के

संरक्षण के लिए टूटा पहिया जैसा लघु या उपेक्षित मानव ही सहारा बनेगा।

8) टिप्पणी लिखते समय ध्यान देने की बातें क्या क्या हैं?

उत्तर : कवि और कविता का परिचय

कविता का आशय

कविता की प्रासंगिकता और विशेषता

9) टूटा पहिया कविता पर टिप्पणी लिखें।

उत्तर : धर्मवीर भारती हिंदी के महान कवि हैं। टूटा पहिया महाभारत के एक प्रसंग पर लिखी कविता है।

कौरव पक्ष के महारथी जानते थे कि अपना पक्ष असत्य का है। फिर भी उन्होंने चक्रव्यूह में फँसे अभिमन्यु की निहत्थी आवाज को ब्रह्मास्त्रों से कुचल डालना चाहा। तब अभिमन्यु ने एक टूटे पहिए से ब्रह्मास्त्रों से लोहा लिया था। यहाँ टूटा पहिया कहता है कि उसी प्रकार, मैं किसी निरायुध के हाथ में आकर ब्रम्हास्त्र से लोहा ले सकता हूँ।

इतिहास की सामूहिक गति जब असत्य और अधर्म के मार्ग पर चलने लगती है, तब सत्य और धर्म की स्थापना के लिए सच्चाई को टूटे पहिए का आश्रय लेना पड़ेगा। यहाँ टूटा पहिया कहता है कि उसी प्रकार शोषकों के अत्याचार के विरुद्ध लड़ने वाले को टूटा पहिया यानी लघु या उपेक्षित मानव ही सहारा बनेगा ।

यह वर्तमान परिवेश में लिखी कविता है। प्रस्तुत कविता में अनेक प्रतीक भी है।

कठिन शब्दार्थ

इतिहास - ചരിത്രം

सहसा - പെട്ടെന്ന്

झूठी पड़ जाना - തെറ്റായി മാറുക

सच्चाई - സത്യം

सामूहिक - समूह से संबंधित